प्रयागराज धार्मिक परिक्रमा

त्रिवेणीं माधवं सोमं भारद्वाजं च वासुकिम्।
वन्देऽक्षयवटं शेषं प्रयागं तीर्थनायकम्।।

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश पर्यटन

यू.पी. नहीं देखा, तो इंडिया नहीं देखा.

www.uptourism.gov.in

प्रयागराज धार्मिक परिक्रमा

"अत्र ब्राह्मणः प्रकृष्टयाग करणात् प्रयागः"

ब्रह्मा जी के द्वारा सर्वप्रथम संसार की रचना करने के पश्चात् यज्ञ करने के कारण इस भूमि का नाम प्रयाग पड़ा। प्रयाग वैदिक ऋषियों की साधनास्थली और यज्ञों की पावन भूमि रही है। परम, पावन तीर्थ भूमि भारत वर्ष के प्रमुख तीर्थों में भी श्रेष्ठतम् तीर्थ प्रयाग को माना गया है। ब्रह्मपुराण में कहा गया है कि तीर्थराज प्रयागराज के समान कोई दूसरा तीर्थ नहीं है।

"न तीर्थराज सदृशं क्षेत्रभस्ति जगत्रये।"

काशीखण्ड में प्रयाग को सर्वश्रेष्ठ तीर्थ के रूप में माना गया है और इसे धर्म, काम, मोक्ष देने वाला बताया गया है।

"प्रथमं तीर्थराजं तू प्रयागाख्यं सुविश्रुतन।
कामिकं सर्वतीर्थानां धर्म कामार्थं मोक्षदम।।"

अर्थात् तीर्थराज प्रयाग का नाम सर्वश्रेष्ठ तीर्थ के रूप में विख्यात है। वह सभी तीर्थों के फलों को देने वाला तथा धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष इन चारों को प्रदान करने वाला है। अमेरिकी लेखक, मार्क ट्वेन ने प्रयागराज को देवालय के रूप में उद्धृत किया है।

धार्मिक परिक्रमा के मन्दिर

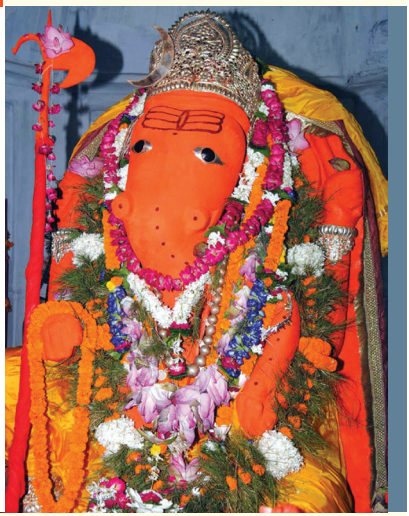

श्री अलोपशंकरी मन्दिर

श्री अलोपशंकरी देवी जी की शक्तिपीठ संगम और अक्षयवट के उत्तर पश्चिम दिशा में लगभग तीन कि.मी. दूरी पर अलोपीबाग क्षेत्र में स्थित है। इस स्थान पर सती की उँगलियाँ गिरी थीं और अलोप हो गई थीं। सती की उँगलियाँ गिरने और अलोप हो जाने के कारण इस स्थान को अलोपशंकरी देवी का स्थान कहा जाता है। यहां एक छोटे जलकुण्ड वाली चतुर्भुज पीठिका के ऊपर छोटे काठ के झूले की देवी रूप में पूजा की जाती है। इस स्थान पर किए गए दर्शन एवं व्रत के फल का लोप नहीं होता है। इसलिए भी इस मन्दिर को अलोपशंकरी मन्दिर कहा जाता है।

आदि श्री ॐकार गणपति

यह प्रसिद्ध तीर्थ प्रयाग के दारागंज क्षेत्र में स्थित दशाश्वमेध घाट पर भारत के 21 सिद्ध गणपति तीर्थ में से एक है। धार्मिक ग्रंथों के अनुसार प्रयाग में आदि कल्प के आरम्भ में स्वयं ओंकार ने चारों वेदों के साथ मूर्तिमान होकर यहां गणेश जी की स्थापना व आराधना की थी। श्री गणेश जी का प्रमुख दिन चतुर्थी व बुद्धवार है तथा मुख्य पर्व-माघ शुक्ल चतुर्थी, भाद्र शुक्ल चतुर्थी व गणेशोत्सव हैं। इन पर्वों पर हजारों की संख्या में तीर्थयात्री एवं श्रद्धालु गण दर्शन पूजन करते हैं। वर्तमान में यह मन्दिर निजी संपत्ति के अन्तर्गत अंकित है।

धार्मिक परिक्रमा के मन्दिर

श्री दशाश्वमेध मन्दिर

दारागंज क्षेत्र में गंगा के तट पर स्थित इस प्राचीन मन्दिर के बारे में मान्यता है कि यहां ब्रह्मा जी द्वारा दशाश्वमेध यज्ञ किया गया था। मन्दिर में दो शिवलिंग स्थापित हैं जो काले पत्थर के हैं, एक दशाश्वमेध महादेव का और दूसरा ब्रह्मेश्वर महादेव का है। दोनों शिवलिंगों के मध्य त्रिशूल स्थापित है। मन्दिर में भगवान शिव के वाहक नंदी तथा शेषनाग आदि की प्रतिमाएं भी हैं। इस मन्दिर के निकट ही चैतन्य महाप्रभु की पीठ भी है।

श्री नृसिंह मन्दिर

निराला मार्ग स्थित वेणी माधव मन्दिर के दक्षिण गली में पश्चिम की ओर नृसिंह भगवान का प्राचीन मन्दिर है। यहां भगवान का वही विग्रह विराजमान है जिस रूप में भक्त प्रहलाद की रक्षा करने हेतु भगवान ने स्तम्भ से प्रकट हो नृसिंह रूप धारण किया था। उनके इस नृसिंह के मिश्रित स्वरूप की आकर्षक झाँकी दर्शनीय है।

धार्मिक परिक्रमा के मन्दिर

श्री वेणी माधव मन्दिर

गंगा तटवर्ती दारागंज क्षेत्र में स्थित यह प्राचीन एवं महत्वपूर्ण लक्ष्मी-नारायण मन्दिर है, जहां मान्यतानुसार चैतन्य महाप्रभु पधारे थे। पद्म पुराण के अनुसार प्रयाग के प्रमुख देवता माधव हैं और वेणी माधव प्रयाग के महत्वपूर्ण बारह माधवों में एक हैं। इनके दर्शन और पूजन से भक्तों की समस्त मनोवांछित कामनाएं सिद्ध होती हैं।

श्री भीष्म पितामह मन्दिर

प्रयागराज के दारागंज क्षेत्र में नागवासुकि मन्दिर के प्रवेश द्वार के पास भीष्म पितामह की 12 फीट लम्बी और लेटी हुई मूर्ति स्थापित है। इस मूर्ति में भीष्म पितामह को तीरों की शैय्या पर शयन मुद्रा में दर्शाया गया है। महाभारत के इस योद्धा का भारत में यह इकलौता मन्दिर है।

धार्मिक परिक्रमा के मन्दिर

श्री नागवासुकि मन्दिर

यह मन्दिर नागराज वासुकि को समर्पित संगम के उत्तर दिशा में दारागंज क्षेत्र में स्थित है, इनकी गणना प्रयाग के प्रमुख देवों में की जाती है। पुराणों के अनुसार देव एवं असुरों द्वारा किए गए सागर मंथन में मथनी बने मंदराचल पर्वत के चारों ओर रस्सी के रूप में नागराज वासुकि ने अपने को प्रयुक्त होने हेतु समर्पित किया था। स्कन्द पुराण में इस स्थान को पृथ्वी पर नागह्रद तीर्थ कहा गया है। प्रतिवर्ष नाग पंचमी के दिन यहां पर विशाल मेले का आयोजन होता है। ऐसी मान्यता है कि गंगा स्नान के बाद नागवासुकि मन्दिर में शेषनाग जी के दर्शन करने से पापों का नाश होता है तथा काल सर्प दोष हमेशा-हमेशा के लिए समाप्त हो जाता है।

श्री असि माधव मन्दिर

असि माधव भगवान प्रयाग के ईशान भाग में नागवासुकि मन्दिर के पास निवास करते हैं। इनके दर्शन एवं पूजन से तीर्थ उपद्रवकारी तत्वों का नाश होता है तथा अपने भक्तजनों की रक्षा करते हैं।

प्रयागराज : धार्मिक परिक्रमा

प्रयागराज के द्वादश माधव

1. श्री त्रिवेणी संगम, आदिवट, माधव
2. श्री असिमाधव, नागवासुकि मन्दिर
3. श्री संकष्टहर माधव, श्री प्रभुदत्त ब्रह्मचारी शंखमाधव जी आश्रम, झूंसी
4. श्री शंखमाधव, छतनाग, मुंशी बागीचा
5. श्री आदि वेणी माधव, अरैल
6. श्री चक्रमाधव, अरैल
7. श्री गदा माधव, छिवकी गाँव
8. श्री पदम माधव, बीकर देवरिया
9. श्री मनोहर माधव, जानसेनगंज
10. श्री बिन्दु माधव, द्रौपदी घाट
11. श्री वेणीमाधव, निराला मार्ग
12. श्री अनंत माधव, देवगिरि चौफटका

प्रयागराज के शक्तिपीठ मन्दिर

1. श्री ललिता देवी मन्दिर, मीरापुर
2. श्री कल्याणी देवी मन्दिर, कल्याणी देवी
3. श्री अलोपशंकरी देवी मन्दिर, अलोपशंकरी
4. श्री काली मन्दिर, कालीबाड़ी
5. श्री खेमा माई मन्दिर, चौक गंगादास

अन्य प्रमुख मन्दिर

- बड़े हनुमान जी
- अखिलेश्वर महादेव, तेलियरगंज
- मनकामेश्वर मन्दिर
- सोमेश्वर महादेव, अरैल
- तक्षकेश्वरनाथ, दरियाबाद
- महावीर ऋषभदेव जैन मन्दिर, झूंसी
- शंकर विमान मण्डपम्
- भारद्वाज आश्रम
- ललिता देवी, मीरापुर
- काल भैरव, मधवापुर
- पाण्डेश्वर महादेव, पड़िला

सम्पर्क :

https://www.facebook.com/prayagrajkumbh/
https://twitter.com/PrayagrajKumbh
https://www.instagram.com/kumbh.2019/
https://www.youtube.com/c/kumbh2019/
https://bit.ly/2wJGPRE
वेबसाइट: www.kumbh.gov.in

उत्तर प्रदेश पर्यटन निदेशालय

राजर्षि पुरूषोत्तम दास टंडन पर्यटन भवन
सी-13 विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ, उ. प्र.
फोन: +91 522-2308993, +91 522 4004402, 2612659
हेल्प लाइन नं0: 1860 1801 364
फैक्स नं0: +91 522 2308937
ई-मेल: dg.upt1@gmail.com
UttarPradeshTourism
@uptourismgov
@uttarpradeshtourism
वेबसाइट: www.uptourism.gov.in

जानकारी के लिए सम्पर्क करें

क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय
35, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज
टेलीफोन: +91 532-2408873
e-mail: rtoald0532@rediffmail.com
उत्तर प्रदेश पर्यटन सूचना केन्द्र
प्लेटफार्म नं0 1, निकट रेलवे पूछताछ केन्द्र
इलाहाबाद जंक्शन रेलवे स्टेशन, प्रयागराज
यू. पी. एस. टी. डी. सी. लि. उ. प्र. पर्यटन
होटल राही इलावर्त, पर्यटक आवास गृह, प्रयागराज
फोन: +91 532-2102784, 8004929778
e-mail: rahiilawart@up-tourism.com
होटल त्रिवेणी दर्शन, पर्यटक आवास गृह
यमुना बैंक रोड़, कीडगंज, प्रयागराज
टेलीफोन- +91 532-2558649

महत्वपूर्ण नम्बर

वायु सेवा

बमरौली हवाई अड्डा	0532-20581370
एयर इण्डिया ऑफिस	0532-2581360

रेल सेवा

इलाहाबाद जंक्शन स्टेशन	138,139
इलाहाबाद सिटी स्टेशन (रामबाग)	0532-2257978
प्रयाग स्टेशन	0532-2466831
नैनी स्टेशन	0532-2697252

बस सेवा

यू.पी.एस.आर.टी.सी. सिविल लाइन्स	0532-2407257
यू.पी.एस.आर.टी.सी. जीरो रोड	0532-2564009
जिलाधिकारी प्रयागराज	0532-2250300 0532-2440515
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, प्रयागराज	0532-2440700 0532-2641902
विदेशी पंजी, कार्यालय (एल.आई.यू.) पुलिस कंट्रोल रूम, एम.जी. मार्ग.	0532-2461097
सिविल लाइन्स, प्रयागराज	+91 9454402822
एम्बुलेंस	102, 108

कुम्भ मेला

कुम्भ मेला कार्यालय	0532-2509430

उत्तर प्रदेश पर्यटन

यू.पी. नहीं देखा, तो इंडिया नहीं देखा.